स्वच्छ भारत
सम्पूर्ण स्वच्छता की ओर
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
Azadi Ka Amrit Mahotsav
G20 भारत 2023 INDIA

स्वच्छता समाचार

फरवरी 2024

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण न्यूज़लेटर

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachh_bharat @swachhbharatgrameen

"स्वच्छता के प्रति हमारे राष्ट्र की प्रतिबद्धता व्यक्तिगत स्वच्छता से कहीं व्यापक है। इसमें महाभारत और रामायण जैसे प्राचीन ग्रंथों में उल्लिखित विवेक की प्रतिध्वनि और स्वच्छता के प्रति महात्मा गांधी का दृष्टिकोण शामिल है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत क्रांति के शुभारंभ के बाद से, हमने इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाया है। चूंकि हम ODF Plus मॉडल गांवों के लिए प्रयास कर रहे हैं और महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं, अत: आइए ! सफाई अथवा संपूर्ण स्वच्छता हेतु हमारी जारी यात्रा को नए आयामों पर ले जाने के लिए सर्वोत्तम क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए, 4P's people (जन), political leadership (राजनीतिक नेतृत्व), public spending (लोक व्यय) और partnerships (साझेदारी) में नई ऊर्जा का आह्वान करें।"

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

30 जनवरी, 2024 तक

ODF PLUS

भारत के बसे हुए 5,09,680 से अधिक गांवों ने स्वयं को ODF Plus घोषित कर दिया है।

- **उदीयमान: 3,14,278**
- **उज्ज्वल: 55,176**
- **उत्कृष्ट: 1,40,226**

2,74,772 गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाएं हैं
4,42,859 गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है
बायोगैस संयंत्र पंजीकृत: **1,222**
कार्यात्मक बायोगैस संयंत्र: **680**
पूर्ण बायोगैस संयंत्र: **115**
प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों से कवर किए गए ब्लॉक: **3,074**

स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियाँ: जनवरी 2024

निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (वित्त मंत्रालय)

- इस विभाग में ग्रुप सी एवं अस्थायी कर्मचारियों के लिए मौके पर ही स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- सामान्य स्थानों का समग्र स्वच्छता अभियान: DIPAM में गलियारों, कार्यालय की सफाई।
- आस-पास के क्षेत्र में एक पार्क की सफाई:- सीजीओ कॉम्प्लेक्स में एक पार्क की सफाई।
- स्वच्छता ही सेवा विषय पर अधिकारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता।
- स्वच्छता डेस्क प्रतियोगिता: अराजपत्रित अधिकारियों के व्यक्तिगत कार्यस्थल।
- कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग में कविता/गीत प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।
- सचिव, DIPAM की अध्यक्षता में स्वच्छता शपथ ली गई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

- स्वच्छता पखवाड़े पर बागवानी और पौधारोपण गतिविधियाँ की गईं।
- स्वच्छ भारत मिशन और अन्य स्वच्छता विषयों पर लेखन परीक्षा जिसमें स्वच्छता छवि चित्रण पर एक प्रश्न शामिल किया गया।
- ढेंकनाल स्थित क्षेत्रीय केंद्र और मुख्यालय (मुख्य द्वारों के आसपास) सहित अन्य सभी क्षेत्रीय केंद्रों में स्वच्छता गतिविधियां की गईं।
- ONGC द्वारा CSR फंड से की गई स्वच्छता गतिविधियों पर व्याख्यान।
- IIMC के अमरावती क्षेत्रीय केंद्र में सफाई गतिविधि की गई।
- आउटडोर स्थल की सफाई- 24 जनवरी, 2024 को NFDC-NMIC ने गुल्ली क्लासेज़ फाउंडेशन के साथ रेती बंदर, माहिम में समुद्र तट की सफाई का अभियान चलाया।
- मुंबई में एफडी कॉम्प्लेक्स के भीतर इनडोर स्थल की सफाई, सभी प्रतिभागी स्थल की सफाई गतिविधि में शामिल हुए।
- मुंबई में अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में स्क्रैप वस्तुओं की पहचान। बेकार पड़ी दो ऑफ-रोड कारों की भी निपटान के लिए पहचान की गई। निस्तारण कराया जाएगा।
- IIMC के कोट्टायम क्षेत्रीय परिसर में सफाई गतिविधियाँ की गईं।

चाय की चुस्की, स्नैक और स्वैप: राजस्थान के कुंभलगढ़ में प्लास्टिक-मुक्त सवेरा

राजसमंद जिले के बीचोंबीच स्थित कुंभलगढ़ का सुरम्य ब्लॉक, जो अपने ऐतिहासिक किले के लिए जाना जाता है, को प्लास्टिक कचरे के प्रतिकूल प्रभावों के एक ज्वलंत मुद्दे का सामना करना पड़ा। SBM-G चरण-II कुप्रबंधित प्लास्टिक के कारण होने वाले पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभाव को कम करने में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के महत्व को स्वीकारता है। प्लास्टिक कचरे के भंडारण और पृथक्करण के लिए रिसोर्स रिकवरी सेंटर (RRC) जैसी सुविधाओं में पर्याप्त निवेश के बावजूद, कुंभलगढ़ अनुचित निपटान के कारण नाली के बंद होने, जल संदूषण और मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। राजसमंद के सीईओ ने SBM-G टीम के साथ मूल कारणों जैसे बाजार से जुड़ाव की कमी और स्रोत पर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए समुदाय के बीच प्रेरणा की कमी की पहचान की।

इनके समाधान के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया, जिनमें दुकानदारों और व्यापार मंडल के सदस्यों सहित हितधारकों के लिए प्रशिक्षण सत्र शामिल थे। राजसमंद के सीईओ ने व्यक्तिगत रूप से समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के महत्व पर चर्चा करने के लिए दुकानदारों से मुलाकात की। इसका उद्देश्य लोगों में बातचीत, प्रेरणा और प्रतिबद्धता की भावना को जगाना था। भग्गा टी स्टॉल के मालिक भग्गा सिंह के साथ एक महत्वपूर्ण बातचीत से एक अनूठा सहयोग का नेतृत्व मिला। 2017 से एसबीएम प्रेरित श्री सिंह ने एक पहल शुरू की: "प्लास्टिक कचरा लाओ, मुफ्त में चाय-कॉफी और नाश्ता पाओ," भीड़-भाड़ बढ़ रही है और प्लास्टिक कचरे के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ा रहा है। इस उद्यमकर्मी ने भारतीय क्रिकेटर रवि बिश्नोई सहित प्रसिद्ध हस्तियों का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने इस पहल का उद्घाटन किया और भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम में श्री भग्गा सिंह के योगदान की सराहना की। इस पहल की सफलता ने समुदाय के माध्यम से लहर पैदा की, तहसीलदार, सहायक अभियंता, ब्लॉक समन्वयक और सामाजिक कार्यकर्ता सहित राज्य और जिला अधिकारियों को आकर्षित किया।

इस रचनात्मक आदान-प्रदान को अपनाते हुए, कुंभलगढ़ प्लास्टिक मुक्त भविष्य की ओर एक परिवर्तनकारी बदलाव देख रहा है, जो SBM-G में समुदाय संचालित पहल की शक्ति का प्रतीक है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

असम के कार्बी आंगलॉन्ग को परिवर्तित करना: SBM-G की सफलता की कहानी

असम का सबसे बड़ा जिला कार्बी आंगलोंग एक सुरम्य परिदृश्य को चित्रित करता है, जिसका लगभग 40% विस्तार हरे-भरे जंगलों और लगभग 70% घिरी हुई पहाड़ियों से सुशोभित है। 2,135 बिखरे हुए गांवों को मिलाकर, इस जिले में लगभग 8.45 लाख की आबादी रहती है। हालांकि, जो बात कार्बी आंगलोंग को अलग करती है, वह है 100% खुले में शौच मुक्त (ODF) Plus बनने की इसकी उल्लेखनीय यात्रा।

स्वच्छता के क्षेत्र में, कार्बी आंगलोंग सफलता के एक प्रकाशस्तंभ के रूप में खड़ा है, सभी 2,135 गांवों को 100% ODF Plus घोषित किया गया है। विशेष रूप से, 1,141 गांव ODF Plus उदीयमान श्रेणी में हैं, जबकि 994 गांव अपनी कामयाबी के साथ ODF Plus उज्ज्वल श्रेणी में हैं। जिले का लक्ष्य 2024 के अंत तक अपने सभी गांवों के लिए उत्कृष्ट ODF Plus मॉडल टैग हासिल करना है।

ठोस कचरा प्रबंधन (SWM) कार्बी आंगलोंग की स्वच्छता गाथा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान में, 55% गांव, कुल 1,175, SWM व्यवस्था का दावा करते हैं, जिसमें मुख्य रूप से घरेलू खाद गड्ढे हैं। इसके साथ ही, 100% गाँव तरल कचरा प्रबंधन व्यवस्था से युक्त हैं, जिसमें रसोई के बगीचे और डकवीड पॉन्ड्स जैसे पारंपरिक तरीके शामिल हैं। 2024 तक SWM व्यवस्था के साथ सभी गांवों में कार्य संपूर्णता प्राप्त करने के लिए एक सराहनीय पहल चल रही है। पहाड़ी दूरदराज के क्षेत्रों में व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों (IHHL) के निर्माण में चुनौतियों का सामना करते हुए, जिले को ईंटों की कमी और अधिक परिवहन लागत का सामना करना पड़ा। शानदार तरीके से, रोल्ड स्टील सेक्शन और CGI शीट से तैयार किए गए IHHL एक व्यावहारिक समाधान के रूप में उभरे हैं, जो मैनुअल परिवहन की सुविधा प्रदान करते हुए स्थायित्व सुनिश्चित करते हैं।

स्थानीय समुदायों द्वारा निर्मित और रखरखाव किए जाने वाले आवश्यकता आधारित क्षेत्रों में सामुदायिक स्वच्छता परिसरों (CSC) की शुरूआत, व्यापक स्वच्छता की दिशा में एक और कदम है। इसके अतिरिक्त, 8 स्कूल स्वच्छता ब्लॉक (SSB) कार्यात्मक संरचनाओं के रूप में खड़े हैं, जिन्हें समुदायों और स्कूल प्रबंधन समितियों (SMC) द्वारा सहयोगात्मक रूप से बनाए रखा गया है। पर्यावरणीय स्थिरता के लिए कार्बी आंगलोंग की प्रतिबद्धता एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक से निपटने के लिए एक अग्रणी पहल के साथ एक छलांग लगाती है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

उत्तर प्रदेश का औरैया SBM-G के तहत स्थायी समाधान का अग्रणी स्थल बना

औरैया, उत्तर प्रदेश का एक जिला है, जिसकी आबादी 7 ब्लॉकों, 477 ग्राम पंचायतों (GP) और 771 गांवों में फैली 13,79,545 है। यह ग्रामीण स्वच्छता को फिर से परिभाषित करने के मिशन पर है। 6,969 निर्वाचित पंचायत सदस्य, जिनमें 2,869 महिलाएं और 4,100 पुरुष शामिल हैं, परिवर्तनकारी परिवर्तन ला रहे हैं।

जिले की उपलब्धियां: औरैया की 3 ग्राम पंचायतों को मुख्यमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और 3 और ग्राम पंचायतों को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (SSG), 2023 के तहत मान्यता दी गई है। 771 गांवों में से 44 गांवों को ODF Plus उत्कृष्ट (5.7%) घोषित किया गया है।

कचरा प्रबंधन: जिला विभिन्न तकनीकों जैसे व्यक्तिगत और सामुदायिक सोख्ता गड्ढे, लीच पिट्स, फिल्टर चैंबर, गाद हटाने वाली मशीन, बतख और मछली पालन आदि का उपयोग करके अभिनव रूप से तरल कचरे से निपटता है। ठोस कचरा प्रबंधन के प्रावधानों में RRC, कम्पोस्ट पिट, NADEP, प्लास्टिक बैंक, वर्मी कंपोस्टिंग के साथ-साथ स्रोत पृथक्करण, कचरा हटाने, पुनर्चक्रण, जैविक खाद का निर्माण और नियमित संग्रह के माध्यम से निपटान शामिल है। जिला कचरे को उसके उचित प्रबंधन के लिए रिसोर्स रिकवरी सेन्टर (RRC) में भेजता है। जिले में सड़क निर्माण के लिए इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक कंकड़ बनाने पर भी काम करने का इरादा है।

गोबरधन क्रांति: औरैया वर्ष 2022 से कार्यात्मक गोबरधन संयंत्रों के माध्यम से स्थायी कचरा प्रबंधन में अग्रणी रहा है। यह 5KW बिजली उत्पन्न करता है और परियोजना 40% गोबर का उपयोग घोल के रूप में करती है, हरे चारे के साथ मिश्रित होती है और मंगला जैविक खाद के रूप में ब्रांडेड होती है। भावी कार्य योजना में SHG प्रशिक्षण और गाय के गोबर से मिट्टी के दीपक का निर्माण शामिल है।

जनभागीदारी पुरस्कार और प्रेरणा: जिला, सामुदायिक भागीदारी पर जोर देता है और डॉक्टरों, पुजारियों और शिक्षकों जैसे प्रभावशाली लोगों के साथ जुड़ता है जो युवा पीढ़ी को 'मेरा कचरा, मेरी ज़िम्मेदारी' के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति संवेदनशील बनाने में मदद करते हैं। स्थानीय प्रतिनिधि भी स्कूल और आंगनवाड़ी परिसरों की सफाई जैसी पहल में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

औरैया जिले ने श्रावस्ती के ODF स्थिरता के मॉडल को दोहराया जो मनरेगा अभिसरण के माध्यम से 4.25 लाख रुपये में कम लागत वाले RRC का निर्माण सुनिश्चित करता है। इसमें वर्मी कम्पोस्ट गड्ढों का निर्माण शामिल है जो राजस्व भी पैदा करता है क्योंकि वर्मी कम्पोस्ट को टाथागत ब्रांड के तहत पैक किया जाता है। इसके अतिरिक्त, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और स्थानीय परिसंपत्तियों का निर्माण दीर्घकालिक सफलता में योगदान देता है। भावी कार्य योजना में निगरानी समितियों के गठन और सक्रियता, घर-घर जाकर कचरा संग्रह और स्रोत पर इसके पृथक्करण और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के लिए सामूहिक श्रमदान के आयोजन के साथ सामुदायिक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा गया है। मछली और बतख पालन के विस्तार, स्वयं सहायता समूहों के साथ सहयोग और वर्मी कम्पोस्ट का ऑनलाइन विपणन एक स्वच्छ, टिकाऊ भविष्य के लिए उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

केरल की कीजहाटूर ग्राम पंचायत द्वारा घर-घर जाकर 100% कचरा संग्रह का प्रयास

केरल में कीजाहाटूर ग्राम पंचायत ने हरित कर्म सेना (HKS) के नेतृत्व में 2.5 वर्षों में 100% डोरस्टेप कचरा संग्रह हासिल किया। पंचायत के समग्र कचरा प्रबंधन दृष्टिकोण में अकार्बनिक कचरे का प्रबंधन करने वाले 12 HKS सदस्य शामिल हैं, जिसमें एक केंद्रीय सामग्री संग्रह सुविधा (MCF) और कुशल भंडारण के लिए 19 छोटी MCF शामिल हैं। QR कोड प्रणाली द्वारा नियमित द्वि-मासिक यात्राओं की सुविधा प्रदान की जाती है, जो "एंटे कीजाहाटूर, सुरक्षित कीजाहाटूर" के माध्यम से 100% उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

संग्रह प्रक्रिया प्रौद्योगिकी को नियोजित करती है, जिसमें व्हाट्सएप समूह, मोबाइल ऐप और संचार के लिए मासिक बैठकें शामिल हैं। गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे को 13 HKS सदस्यों द्वारा 38 श्रेणियों में छांटा जाता है, जिससे सभी 19 वार्डों में व्यवस्थित कचरा संग्रह सुनिश्चित होता है। 1,000 वर्ग फुट का पंचायत स्तर का MCF रीसाइक्लिंग के लिए 180 मीट्रिक टन अकार्बनिक कचरे का द्वितीयक पृथक्करण, श्रेणीकरण और बिक्री करता है।

HKS ने न केवल पर्यावरणीय सफलता हासिल की बल्कि अपने सदस्यों को सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त भी बनाया। व्यक्तिगत सफलता की कहानियां, जैसे जुलाई 2023 में दिव्या की 62,216 रुपये की आय, उनके समर्पण को उजागर करती है। 1,400 टन कचरा एकत्र करने के बाद, HKS 30 महीनों में 95-100% डोरस्टेप और उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह बनाए रखता है, जो अपनी उपलब्धियों को दोहराने के इच्छुक अन्य समुदायों के लिए एक उत्कृष्ट के रूप में कार्य करता है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

झारखंड का पश्चिम सिंहभूम: प्रगति, चुनौतियां और ई-शिकायत क्रांति की कहानी

झारखंड का सबसे बड़ा जिला पश्चिम सिंहभूम अपने चुनौतीपूर्ण भू-परिदृश्य के बीच लचीलापन और प्रगति की कहानी को उजागर करता है। पश्चिम सिंहभूम को लॉजिस्टिक संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है क्योंकि यह जिला मुख्यालय, मनोहरपुर ब्लॉक से 3 घंटे की दूरी पर स्थित है। इलाका दुर्गम है क्योंकि इसमें 46.6% वन आवरण और पहाड़ी भू-परिदृश्य शामिल हैं, जो प्रशासनिक पहुंच में बाधा उत्पन्न करते हैं। जिला नक्सल गतिविधियों से जूझ रहा है, जिससे विकास योजनाओं के तेजी से निष्पादन में बाधा उत्पन्न हो रही है। जिले में 67% की आदिवासी आबादी है और इस जनसांख्यिकीय के बीच जागरूकता बढ़ाना एक महत्वपूर्ण चुनौती साबित होती है। इन चुनौतियों के बावजूद जिले ने SBM-G (द्वितीय चरण) की यात्रा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

ODF Plus स्थिति: जिले के 85% गांव ODF Plus स्थिति प्राप्त करने की राह पर हैं। इस सफलता का श्रेय समर्पित जागरूकता कार्यक्रमों को दिया जाता है, जिसमें स्थानीय नेता शामिल हैं। वर्तमान में जिले में शामिल है:

- 29 उत्कृष्ट गांव
- 22 उज्ज्वल गांव
- 1,364 उदीयमान गांव

जिले को स्वच्छ सर्वेक्षण, 2023 के लिए भी नामित किया गया था। जिले ने 100% स्वच्छता कवरेज हासिल कर लिया है, निमडीह पंचायत अपनी NADEP खाद निर्माण इकाइयों और मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता भस्मक के लिए मान्यता प्राप्त है।

समुदाय के नेतृत्व वाली गतिविधियाँ: समुदाय के नेतृत्व वाली कुछ गतिविधियाँ सुश्री सुमित्रा देवगम, निमडीह की मुखिया द्वारा नेतृत्व, 'चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो' और 'स्वच्छता पखवाड़ा' जैसे आंदोलनों का नेतृत्व करती हैं।

गोबरधन: तामड़बांध गांव के एक केस स्टडी से पता चलता है कि बायोगैस उत्पादन के लिए गाय के गोबर का सफल उपयोग किया गया है, जिससे 15 परिवार लाभान्वित हुए हैं। ग्रामीण संयंत्र का संचालन करते हैं, इसका उपयोग जलाऊ लकड़ी आधारित ईंधन से हटकर स्वस्थ, धूम्रपान मुक्त बायोगैस-आधारित खाना पकाने में हुआ है।

MHM भस्मक: सभी कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों को कवर करते हुए सैनिटरी नैपकिन के स्वच्छ निपटान के लिए 186 इकाइयां स्थापित की गई हैं। जिला, विभिन्न निधियों और सहायता के अभिसरण के माध्यम से निर्माण में तेजी लाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित करता है।

जन सहायता कोषांग: महामारी के दौरान 2019 में एक जिला-स्तरीय ई-गवर्नेंस पहल शुरू की गई थी। इस पोर्टल का उद्देश्य सभी व्यक्तियों को अपनी शिकायतों को ऑनलाइन साझा करने और समय पर शिकायत निवारण (7 दिनों के भीतर) प्राप्त करने में मदद करना था। इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने जिले के व्यक्तियों और निवासियों को ऑनलाइन सुविधा करने में सक्षम बनाया, जिससे जनता दरबार के दौरान लंबे समय तक इंतजार करने की आवश्यकता समाप्त हो गई। उल्लेखनीय आंकड़े: 155 शिकायतें, 18 का समाधान, 4,398 बंद और 0 अस्वीकृत आवेदन, जो प्रणाली की प्रभावकारिता को दर्शाते हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

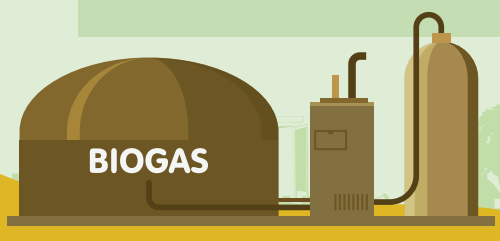

आंध्र प्रदेश का जुपुडी गांव: संसाधन प्रबंधन में एक उत्साही विजय

NTR जिले के बीचोंबीच, जुपुडी गांव जून, 2023 में एक अभिनव प्रायोगिक संसाधन प्रबंधन परियोजना के लिए चित्रफलक (कैनवास) बन गया। गाँव की नाली के साथ, मॉडल स्कूल के पास, कैना, नेपियर घास और कच्चे केले की एक जीवंत टेपेस्ट्री उभर आई, जो गंदला जल शोधन के लिए एक प्राकृतिक दृष्टिकोण की शुरुआत करती है।

जैसे-जैसे यह परियोजना फलती-फूलती है, इसका श्रेय जुपुडी में समर्पित स्वयं सहायता समूहों (SHG) को जाता जाता है, जो पंचायत के मार्गदर्शन के साथ इस पर्यावरणीय पहल को पोषित और बनाए रखना जारी रखे हुए हैं।

नेपियर घास, परियोजना में एक प्रमुख कारक, न केवल गंदे पानी के प्राकृतिक उपचार में सहायता करता है, बल्कि स्थानीय मवेशियों के लिए मूल्यवान चारे के रूप में भी कार्य करता है, जिससे लाभ का एक स्थायी चक्र बनता है। प्रभाव में विविधता लाते हुए, आइवी लौकी के रोपण की शुरूआत ने न केवल भू-परिदृश्य को समृद्ध किया है, बल्कि SHG के लिए एक वित्तीय वरदान भी बन गया है, जो पर्यावरणीय प्रबंधन और आर्थिक सशक्तिकरण की मिसाल है।

सफलता की कहानी सौंदर्यशास्त्र से परे फैली हुई है; आइवी लौकी पर कठिन प्रयोगशाला परीक्षणों ने यह सुनिश्चित किया कि पोषक तत्वों का स्तर स्वीकार्य सीमाओं के भीतर सुव्यवस्थित तरीके से बनाए रखा जाए, जो इस पर्यावरण के अनुकूल प्रयास की प्रभावकारिता की पुष्टि करता है।

इस जीत से उत्साहित, राज्य अब इस मॉडल को बढ़ाने के लिए तैयार है, इसकी प्रतिकृति की कल्पना करता है। राज्य प्रत्येक जिले के कम से कम 5 ग्राम पंचायतों में मॉडल को दोहराने की योजना बना रहा है।

जुपुडी में यह हरित परिवर्तन एक प्रकाशस्तंभ के रूप में कार्य करता है, जो पर्यावरण चेतना और सामुदायिक समृद्धि के सामंजस्यपूर्ण मेल की दिशा में मार्ग को रोशन करता है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

कोडावतूर, तेलंगाना की पंचायत का मॉडल ODF Plus GP में बदलाव की कहानी

कोडावतूर ग्राम पंचायत (GP), जो कभी स्वच्छता चुनौतियों से जूझ रही थी, अब स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण -2 के तहत एक उत्कृष्ट ODF Plus GP है। चरण-I में ODF स्थिति प्राप्त करते हुए, सरपंच श्री गंगम सतीश रेड्डी द्वारा निर्देशित GP ने ठोस और तरल कचरा प्रबंधन को लागू किया, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया और मल कीचड़ प्रबंधन का समाधान किया।

ठोस कचरा प्रबंधन में एक डंपिंग यार्ड, कचरा प्रबंधन के लिए ट्रैक्टर और रीसाइक्लिंग पहल शामिल हैं। तरल कचरा प्रबंधन घरेलू और सामुदायिक सोख गड्ढों के साथ गंदला जल नपिटान पर केंद्रित है। मलीय कीचड़ प्रबंधन में पास की नगरपालिका के साथ एक समझौता शामिल है, जिसमें मलीय कचरा हटाने की सेवाओं के लिए संपर्क सूत्र दिए गए हैं। ग्राम जल और स्वच्छता समिति जागरूकता बैठकों का आयोजन करती है, जबकि ग्राम पंचायत में संस्थान कचरे का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करते हैं।

मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता प्रबंधन जागरूकता, बकरी और भेड़ शेड परिसर, और समग्र स्वच्छता ने न केवल पड़ोसी गांवों का ध्यान आकर्षित किया है, बल्कि पानी और वेक्टर जनित बीमारियों में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

महाराष्ट्र के खडकुट गांव के बायोगैस प्लांट ने स्वस्थ जीवन शैली में दिया योगदान

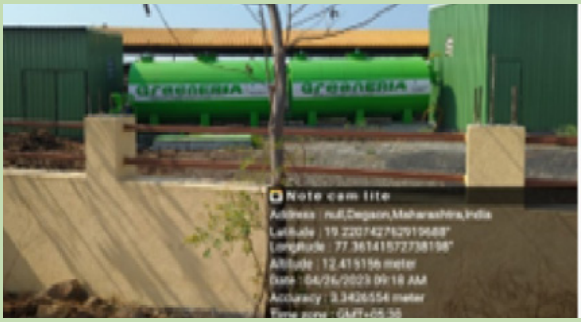

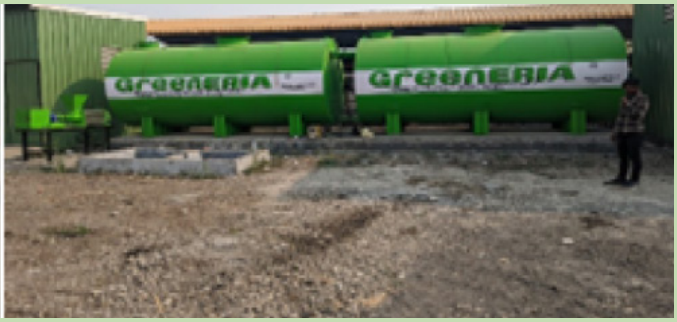

महाराष्ट्र के खडकुट गांव में जून 2023 में शुरू हुआ बायोगैस संयंत्र, तरल बायोगैस ईंधन और जैविक खाद का उत्पादन करता है, जिससे खाना पकाने और रासायनिक उर्वरक उपयोग के लिए लकड़ी पर निर्भरता को कम कर रहा है। यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार करती है, गांव की स्वच्छता को बढ़ाती है, और जलाऊ लकड़ी पर पहले खर्च होने वाले समय और धन की बचत करती है।

स्वच्छ भारत मिशन द्वारा समर्थित ODF गांव ने ग्रीन बायोगैस नवीकरणीय स्रोत के साथ पशु कचरे के मुद्दों को हल करने के लिए गोबरधन परियोजना का उपयोग किया। खडकुट ग्राम पंचायत द्वारा संचालित 2 टीपीडी प्रति दिन संयंत्र, कुशल कचरा प्रसंस्करण के लिए CSTR प्रौद्योगिकी और विभिन्न घटकों को नियोजित करता है। इस परियोजना में गांव में एक बायोगैस पाइपलाइन, ट्रांसमिशन लागत और कार्बन फुटप्रिंट को कम करना, सामुदायिक कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सफल सहयोग को प्रदर्शित करना शामिल है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

हरियाणा के कुरुक्षेत्र में पेपर मिल से प्रवाहित गंदगी से CBG का उत्पादन

श्री प्रदीप सैनी और श्री. हरि कृष्ण सैनी के नेतृत्व में हरियाणा के कुरुक्षेत्र में सैंसंस पेपर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड एक स्थायी अपशिष्ट-से-ऊर्जा पहल को लागू किया है। पेपर मिल संपीड़ित बायोगैस (CBG) का उत्पादन करने के लिए एक प्रवाह उपचार संयंत्र (ETP) में अपने प्रवाह का कुशलतापूर्वक उपचार कर रहा है।

96 प्रतिशत से अधिक मीथेन सामग्री वाला इस CBG संयंत्र में 3,000 किलोग्राम प्रतिदिन की दर से उत्पादन होता है और यह वाहनों के लिए ईंधन के रूप में कार्य करता है। फीडस्टॉक के रूप में पेपर मिल से प्रवाहित गंदगी का उपयोग करके, CBG संयंत्र को सरकारी ईंधन मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, कच्चे बायोगैस के 7,200 एम3/दिन की व्यवस्था करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रक्रिया के उपोत्पादों से प्रति दिन लगभग 200 किलोग्राम सल्फर को उर्वरक के रूप में पुनर्निर्मित किया जा सकता है, जो इस पहल की समग्र पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान देता है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

राज्य के झरोखे से

श्रीमती बेनू गुरुंग
मिशन निदेशक

सिक्किम पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रतीक के रूप में खड़ा है, जो अपने आकार और चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाके के बावजूद हरित क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। राज्य ने 1998 में निपटान योग्य प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाने का महत्वपूर्ण कदम उठाया, जिसने भारत के पर्यावरण नेतृत्व के लिए आवाज बुलंद की। बाद की पहलों में एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक की बोतलों को लक्षित करना और 2016 में, सरकारी कार्यालयों और कार्यक्रमों में डिब्बा बंद पेयजल पर प्रतिबंध लगाना शामिल था। प्लास्टिक प्रदूषण से बचने के लिए स्टायरोफोम और थर्मोकोल डिस्पोजेबल वस्तुओं को भी राज्यव्यापी स्तर पर प्रतिबंधित कर दिया गया था। जागरूकता अभियानों और दंड के माध्यम से 2022 के एकल-उपयोग प्लास्टिक (SUP) पर प्रतिबंध ने निवासियों को पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिये महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।

स्वच्छ भारत मिशन के लिए सिक्किम की सफलता के केंद्र में रेघु ब्लॉक, पक्योंग जिले में लिंगतम फाडमचेन GPU में अनुकरणीय संसाधन रिकवरी केंद्र हैं। 8,440 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस क्षेत्र की खराब, खाद्य कचरा प्रबंधन के कारण वन्यजीव-मानव संघर्ष सहित अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सार्वजनिक बैठकों और संवेदीकरण प्रयासों के माध्यम से, समुदाय ने स्थायी ठोस कचरा प्रबंधन (SWM) की आवश्यकता का समाधान किया। घरेलू कचरा संग्रह, उपयोगकर्ता शुल्क और संसाधन पुनर्प्राप्ति वाहनों का उपयोग उनकी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीति के अभिन्न अंग बन गए हैं।

वर्ल्ड वाइड फंड (WWF-इंडिया) के सहयोग से लिंगटम फाडमचेन GPU ने व्यापक सामुदायिक जुड़ाव, घरेलू सर्वेक्षण किए तथा फाडमचेन गांव में एक सामग्री रिकवरी सुविधा (MRF) कार्यान्वित की। 17 स्वच्छता सहयोगी टीम द्वारा संचालित यह MRF, पांच वार्डों की कचरा प्रबंधन आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिसमें 146 परिवार और 629 निवासी शामिल हैं। देश में सबसे अच्छा कचरा-प्रबंधित गाँव बनने के रूप में, GPU का दृष्टिकोण महत्वाकांक्षी है - जिसका लक्ष्य लैंडफिल में शून्य कचरे को भेजना है। कचरा मुक्त करने संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों (मेलों) और उत्तरदायी कचरा प्रबंधन के लिए शपथ लेने जैसी अभिनव पहलों के माध्यम से, लिंगटम फाडमचेन GPU सक्रिय रूप से एक स्थायी और जिम्मेदार भविष्य में योगदान दे रहा है।

क्रॉस वर्ड

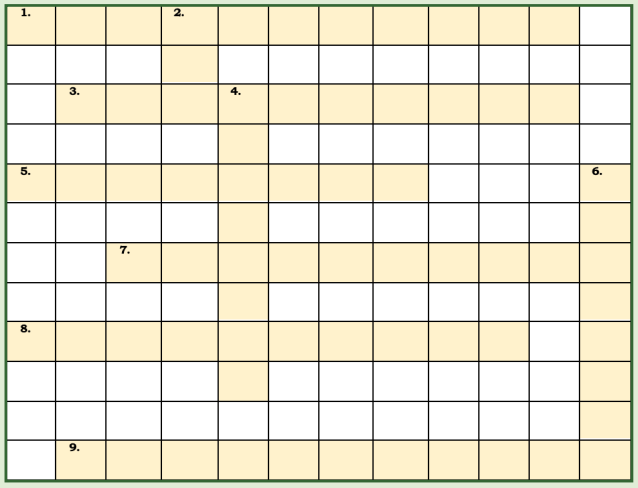

संकेत

आरपार	नीचे
1 उपयोगकर्ताओं के बीच डिजिटल इंटरैक्शन और सामग्री साझा करने हेतु ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देता है।	2 व्यक्तिगत संवाद और बातचीत
3 व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए नवाचार और उपकरण बनाने के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का अनुप्रयोग	4 बिलबोर्ड
5 पदोन्नति	6 प्रमुख संचार बिंदु
7 प्रसारण या मास मीडिया	
8 लोक विद्रोह	
9 ट्रेंडसेटर	

Answers:
Across: Social Media; Technology; Campaign; Videospots; Janandolan; Influencers
Down: IPC; Hoarding Messages

यादगार झलकियां

सचिव, श्रीमती विनी महाजन DDWS ने जनवरी 2024 में 2024-25 के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए SBM-G के कार्यान्वयन के लिए वार्षिक कार्यान्वयन योजना (AIP) पर चर्चा की अध्यक्षता की। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने अपने AIP प्रस्तुत किए जिसके दौरान SBM-G चरण-II के लिए वास्तविक और वित्तीय लक्ष्यों पर चर्चा की गई। इन बैठकों में भाग लिया

महाराष्ट्र

पश्चिम बंगाल

छत्तीसगढ़

केरल

कर्नाटक

नागालैंड

सचिव, श्रीमती विनी महाजन DDWS ने 6 जनवरी, 2024 को 10 जिला कलेक्टरों के साथ एक कलेक्टर संवाद का आयोजन किया, जिसमें स्वच्छ भारत को प्राप्त करने के प्रति उनके अटूट समर्पण को स्वीकार किया गया और उनकी सराहना की गई। इस संवाद का उद्देश्य SBM-G II के कार्यान्वयन में सहयोग देने, मजबूती प्रदान करने और तेजी लाने के लिए एक मंच प्रदान करना था। इसने कार्यक्रम की समीक्षा करने और जमीनी स्तर के कार्यान्वयन से सीखे गए पाठों से सभी को परिचित करने की भी अनुमति दी।

मिशन निदेशक और संयुक्त सचिव, श्री जितेंद्र श्रीवास्तव ने 7 जनवरी, 2024 को UP में सरपंच द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा करने, समझने और उनकी सराहना करने के लिए एक सरपंच संवाद आयोजित किया, क्योंकि वे स्वच्छ भारत के लिए ODF Plus की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं।

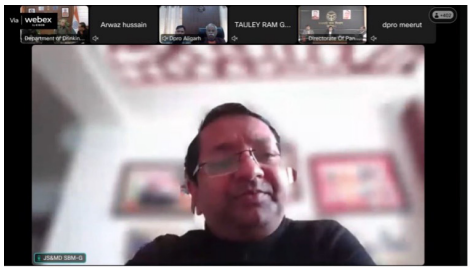

सचिव की कलम से

जनवरी 2024 में 5.15 लाख से अधिक गांवों द्वारा स्वयं को ODF Plus और 1.13 लाख गांवों द्वारा स्वयं को ODF Plus उत्कृष्ट घोषित करने की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। ये हमारे सामूहिक समर्पण को दर्शाती हैं। चूंकि हम योजना तैयार करते हैं, अत: हमें माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मार्गनिर्देशित किए गए अनुसार 'महिला-नेतृत्व वाले विकास' को आयोजना में शामिल करना चाहिए। विंस्टन चर्चिल के शब्दों : ''बेहतर बनने का आशय बदलना है; पूर्णता प्राप्त करने का आशय प्राय: बदलना है'' को दोहराते हुए हमें स्थानीय रूप से प्रासंगिक कार्यनीतियों का उपयोग करना चाहिए ताकि बेहतर कार्य सुनिश्चित किया जा सके। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत घरेलू शौचालय तथा प्रभावी कचरा प्रबंधन प्रणाली की यात्रा में पीछे न छूटे। आइए! नवीन प्रतिबद्धताओं, सहबद्ध हितधारकों के साथ ग्रामीण स्वच्छता संबंधी कार्यक्रमों के महत्व को समझें और गांवों को सही मायने में ODF Plus उत्कृष्ट बनाने में विशिष्ट तौर पर गरीबों तथा महिलाओं के लिए समाधानों की समाविष्टता सुनिश्चित करते हुए लगातार आगे बढ़ें।

श्रीमती विनी महाजन
सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय

मिशन निदेशक की कलम से

संपूर्ण स्वच्छ भारत की दिशा में हमारी यात्रा में, सफलता विवेकपूर्ण और कार्यनीतिक आयोजना, संस्थागत अनुभव का लाभ लेने, सर्वोत्तम परंपराओं से सीखने और गहन अवलोकन साहित विभिन्न कारकों के परिणामों पर निर्भर करती है। राज्यों की वार्षिक कार्यान्वयन आयोजनाएं पूर्व सफलताओं से लाभ लेते हुए व्यापक तथा सूक्ष्म लक्ष्यों के बीच तालमेल बिठाती हैं। ग्रामीण समुदायों के जीवन, स्वास्थ्य, संपदा और गरिमा पर SBM के प्रभावों के साक्ष्य स्पष्ट हैं। ज़मीनी स्तर की कहानियों से प्रेरित होकर, आइए राज्यों में सफल मॉडलों का मूल्यांकन करें और इनका अनुकरण करें, कचरा प्रबंधन में नवाचार को शामिल करें। प्रभावी जनआंदोलन के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार और अभियान को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। हम सब एक साथ मिलकर नवाचार में आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदलते हैं।

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव
संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (SBM-G)
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय

To contribute to the next issue of the **Swachhata Samachar,**
share your submission before the 15th of every month to swachhbharat@gov.in.

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

Office of the Joint Secretary & Mission Director, SBM-G
Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry of Jal Shak
Government of India.
4th Floor, Pandit Deendayal Antyodaya Bhawan, CGO Complex,
Lodhi Road, New Delhi-110003
Phone: 011-24362192 | Email: js-sbm@gov.in